भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 1572

जिसका उत्तर 15.12.2022 को दिया जाना है

पीएम गति शक्ति-एनएमपी के अंतर्गत परियोजनाओं की समीक्षा

1572. **श्री चंद्र शेखर साहू**:
श्री गिरीश भालचन्द्र बापट:
श्री राहुल रमेश शेवाले:
डॉ. प्रीतम गोपीनाथ राव मुंडे:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) ओडिशा सहित देश में राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) और प्रधानमंत्री गति शक्ति संस्थागत ढांचे का उपयोग करके गत एक वर्ष के दौरान कितनी सड़क परियोजनाओं की जांच की गई है;
(ख) क्या एनएमपी प्लेटफार्म पर मंत्रालय के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) मॉड्यूल गलियारा संरेखण का अध्ययन करने और संशोधित करने के लिए एक नई पहल थी;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या निर्णय लेने के विभिन्न साधनों की उपलब्धता ने सरकार को इस योजना के अंतर्गत मंजूरी की कम आवश्यकताओं के साथ संरेखण को अनुकूल बनाने में मदद की है; और
(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और निर्णय लेने वाले उपकरण सड़क परियोजनाओं के निर्माण में तेजी लाने में किस हद तक सहायता करते हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ड़) मंत्रालय मुख्य रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के विकास और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है। 6,68,808 करोड़ रुपये की कुल अनुमानित लागत की लगभग 13,858 किलोमीटर में 61 एनएच/सड़क परियोजनाएं/कॉरिडोर, जिनमें ओडिशा राज्य भी शामिल है, की पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) पोर्टल का लाभ उठाते हुए जांच की गई और वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की अध्यक्षता में पीएम गति शक्ति एनएमपी के नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप (एनपीजी) के साथ परामर्श किया गया।

गतिशील भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) प्लेटफॉर्म आधारित पीएम गति शक्ति एनएमपी पोर्टल में उपलब्ध सुविधाओं के साथ भास्कराचार्य नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लिकेशन एंड जियोइन्फॉर्मेटिक्स (बीआईएसएजी-एन) के माध्यम से मंत्रालय द्वारा विकसित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) मॉड्यूल टूल एनएच परियोजना संरेखण और परियोजनाओं की योजना बनाने में सहायक है इसमें पारिस्थितिक प्रभावों को कम करने, मंजूरी की आवश्यकताओं और तेज और अधिक प्रभावी परियोजना तैयारी में मौजूदा भौतिक / भौगोलिक विशेषताओं, वन क्षेत्रों, पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्रों आदि से संबंधित जानकारी पर विचार किया जाता है। इससे परियोजना कार्यान्वयन चरणों के दौरान परियोजना विशेषताओं में मध्यावधि सुधार/संशोधन की आवश्यकता को समाप्त करके परियोजनाओं के तेजी से कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण योगदान देने की उम्मीद है।

*****